एक नजर में

शिक्षक काग का सम्मान

घट्टिया। रायपुरा निवासी शिक्षक राजेश कुमार काग जो कि माकडोन में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक है का शिक्षक दिवस पर उज्जैन में आयोजित कार्यक्रम में विधायक अनिल जैन कालूहेडा व जिला शिक्षा अधिकारी आनन्द शर्मा द्वारा सम्मानित किया गया।काग को उक्त सम्मान उनके द्वारा पढ़ाए जा रहे हिंदी विषय में बोर्ड परीक्षा 2025 में शत प्रतिशत परिणाम हेतु दिया गया।

श्री सिंथेटिक्स कर्मचारियों व स्टाफ सदस्यों की आवश्यक बैठक संपन्न

उज्जैन। श्री सिंथेटिक्स के कर्मचारियों व स्टाफ सदस्यों की अति आवश्यक बैठक शहीद पार्क, फ्रीगंज, उज्जैन पर आयोजित हुई। कर्मचारी कांग्रेस संयोजक एवं श्री सिंथेटिक्स क्रेडिट को आपरेटिव के संचालक प्रकाश सोलंकी के अनुसार बैठक में कर्मियों की बकाया राशि भुगतान कराने के संबंध में चर्चा की गई व अपेक्षित दस्तावेज एकत्रित किये गये। बैठक में रामचन्द्र चौधरी, शिवाजी राव शिंदे, शीतलप्रसाद राठौर, अमरसिंह गेहलोत, राजेश समेले, मुकुटबिहारी आदि उपस्थित रहे।

खो-खो प्रतियोगिता में जीत का परचम लहराया

खाचरौद। जिला शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में श्री राज राजेंद्र जैन सेन विद्यापीठ के विद्यार्थियों ने जीत का परचम लहराया और संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए। विभिन्न आयु वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में शामिल हैं जिसमें बालिका वर्ग में दृष्टि पाटीदार, प्रीति विश्वास, लक्ष्मी मलयार, दिविषी जैन, हिमाक्षी, आकांक्षा, जया, कौशल्या। बालक वर्ग में रिषभ गरगामा, वीरेन्द्र गरगामा का चयन हुआ। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य वीना कुंदी, खेल शिक्षक विकास धाकड़ और विद्यालय स्टाफ ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। निश्चित रूप से यह आयोजन इन खिलाड़ियों के कौशल को और भी निखारने में मदद करेगा और विद्यालय का नाम रोशन करेगा।

भाजपा मंडल की बैठक संपन्न

घट्टिया। गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी मंडल घट्टिया की महत्वपूर्ण कामकाजी बैठक मंडल अध्यक्ष लोकेंद्रसिंह जलवा की अध्यक्षता में विश्राम गृह पर आयोजित की गई। बैठक में सेवा पखवाड़े को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की गई जिसमें सेवा पखवाड़े में आगामी कार्यक्रम रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान,एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण कार्यक्रम सहित आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। वहीं बैठक में नवनियुक्त भाजपा जिला उपाध्यक्ष महिपाल सिंह उमठ का मंडल पदाधिकारियों ने साफा बांधकर पुष्पमालाओं से स्वागत किया। बैठक में मंडल अध्यक्ष लोकेंद्रसिंह जलवा, नवनियुक्त जिला उपाध्यक्ष महिपाल सिंह उमठ, वरिष्ठ भाजपा नेता जसवंतसिंह उमठ, रमेश मालवीय, देवेंद्र आंजना, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह पंवार, महिपाल सिंह पंवार, लोकेन्द्रसिंह राणा, रवि पाठक, डूंगर सिंह सिसोदिया, पंकज रावल सहित मंडल पदाधिकारी एवं कार्यकर्त्तागण मौजूद थे।

बटिक प्रिंट को मिली नई पहचान, जीएल टैग ने दिए पंख : आसिफ बड़वाला

उज्जैन। संजा लोकोत्सव के माध्यम से बटिक प्रिंट को नई पहचान मिली। पूर्व में इस प्रिंट को साधारणत: लिया जाता था किंतु वर्ष 2022 में संजा लोकोत्सव मे बटीक प्रिंट पर विशेष डॉक्यूमेंटेशन किया गया, इसकी गुणवत्ता पर ध्यान देकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के संज्ञान में लाया गया, उसके बाद बटिक प्रिंट को एक जिला एक उद्योग का दर्जा प्राप्त हुआ। आगे जाकर इसे जीएल टैग भी प्राप्त हुआ। यह बटिक प्रिंट के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धि है जिसका श्रेय नि:संदेह अ.भा. संजा लोकोत्सव को जाता है।

यह उद्गार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बटिक प्रिंट का प्रशिक्षण, प्रदर्शन एवं सेमिनार के माध्यम से प्रचारित करने वाले वरिष्ठ बटीक कला के विशेषज्ञ आसिफ बरवाला के हैं। संस्था निदेशक डॉ पल्लवी किशन ने बताया कि 10 सितंबर को संजा लोकोत्सव की युवा टीम द्वारा मालवा की विलुप्त हो रही लोक कलाओं पर डॉक्यूमेंटेशन किया गया। इसी अनुक्रम में टीम प्रतिकल्पा द्वारा संजा गीत परंपरा पर वरिष्ठ साहित्यकार पद्मश्री भगवती लाल राजपुरोहित, लोकनाट्य माच परंपरा पर उस्ताद बाबूलाल देवड़ा चिकली वाले, लोक गायन परंपरा पर रामचंद्र गांगुलिया के साथ मालवी लोक कलाओं के संरक्षण व संवर्धन एवं संजा लोकोत्सव का प्रभाव व परिणाम विषय पर विशेष डॉक्यूमेंटेशन शांतनु भागचंदानी के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर विभिन्न कला एवं साहित्य मर्मज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए एवं इन कलाओं के संवर्धन हेतु नई पीढ़ी के आगे न आने पर चिंता व्यक्त की तथा भविष्य में इसके संवर्धन हेतु सुझाव दिए।

आज नवाचार और परंपरिकता का होगा संगम- अभा संजा लोकोत्सव के पांचवें दिन आज 11 सितंबर को प्रात: 11 बजे से प्रधानमंत्री मोदीजी के लोकल फ़ॉर वोकल के संदेश को ध्यान में रखते हुए एक नवाचार को आकार दिया गया है। जिसमें लोक कलाओं से रोजगार की मास्टर क्लास का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में विलुप्त हो रही लोक कलाओं, हस्तशिल्प एवं हथकरघा वस्तुओं के माध्यम से आर्थिक सुदृढ़ता लाने, शासकीय योजनाओं का लाभ लेकर तथा बैंक से लोन लेने प्रणाली को सरलता से सीख कर अपने उद्यम को स्थापित कर देश के विकास मे सहयोगी बनने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। संजा लोकोत्सव के प्रोडक्शन डिज़ाइनर सिद्धार्थ भागचंदानी ने बताया कि कालिदास अकादमी के अभिरंग नाटकगृह में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता के रूप में आईआईएम इंदौर से प्रोफेसर भवानी शंकर तथा एनआईडी मध्य प्रदेश से डॉ. स्वामी व्यास, डॉ. सेतु शर्मा, जिला पंचायत सीईओ के प्रतिनिधि के रूप में कविता उपाध्याय कारीगरों एवं विद्यार्थियों से रूबरू होंगे तथा इसी दिन शाम को 7 बजे लोकगीतों एवं लोकनाट्य मार्च का मंचन होगा। लोकगीतों में पद्मश्री कालूराम बामनिया, सुंदरलाल मालवीय, रामचंद्र गांगोलिया कलाकार एवं प्रभु लाल मालवीय के द्वारा मालवी पारंपरिक लोकगीतों की प्रस्तुति होगी तथा वरिष्ठ माच उस्ताद बाबूलाल देवड़ा के निर्देशन में लोकनाट्य माच सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र का मंचन होगा। संस्था अध्यक्ष डॉ. शिव चौरसिया, सचिव कुमार किशन, डॉ. अनीता चौधरी, डॉ. प्रकाशेंद्र माथुर, राकेश शर्मा, शीला व्यास, पुष्पा चौरसिया, सुधीर सांखला प्रवीण चतुर्वेदी, रविंद्र देवलेकर, अजय मेहता, विजय भागचंदानी, लोकेश सिंह तोमर ने समस्त मालवी लोककला संस्कृति प्रेमियों से इन कार्यक्रमों में भाग लेने का आव्हान किया है।

मध्य प्रदेश में फिर से शुरू होगी राज्य परिवहन बस सेवा

नवभारत की खबर पर लगी मुहर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल, यात्रियों को मिलेगी सुविधा, बस माफिया से मिलेगी मुक्ति, बस के आगे बेबस नहीं रहेंगे यात्री

उज्जैन. ऐतिहासिक कदम उठाते हुए सरकार ने यात्री बसों का बेहतर संचालन करने के उद्देश्य से कंपनी का गठन कर दिया है. इसके अध्यक्ष मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव होंगे. इस कंपनी के माध्यम से प्रदेश में राज्य परिवहन बस सेवा को नए स्वरूप में पुन: प्रारंभ किया जाएगा. साथ ही बंद हो चुकी राज्य परिवहन सेवा फिर शुरू होगी.

नवभारत से चर्चा में परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह और सचिव मनीष सिंह ने बताया कि सर्वप्रथम सात शहरों से ये शुरुआत होगी. पहले चरण में भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सागर और रीवा में यह यात्री बस संचालक कि यह योजना लागू की जाएगी. योजना का नाम रखा गया है मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना, इस कंपनी में अधिकारियों को भी सदस्य बनाया गया है.

बस माफियाओं से मिलेगी मुक्ति, अब परिवहन बोर्ड के गठन की युक्ति

सरकार के हाथों में रहेगी यात्री बसों के संचालन की बागडोर, उज्जैन इंदौर के बीच भी होगा अनुबंध, सिंहस्थ 2028 में मिलेगा श्रद्धालु यात्रियों को लाभ

नवभारत न्यूज

उज्जैन. बस के आगे बेबस यात्रियों को अब परेशानियों से निजात मिलने वाली है. मध्य प्रदेश सरकार नवाचार के अंतर्गत स्थानीय स्तर पर परिवहन बोर्ड का गठन करने वाली है, जिसमें संभाग आयुक्त, कलेक्टर, नगर निगम आयुक्त और आरटीओ को पदाधिकारी बनाते हुए यात्री बसों के संचालन का जिम्मा देगी. इस योजना से बस माफियाओं से मुक्ति मिलेगी.

इंदौर उज्जैन के बीच अनुबंध

परिवहन बोर्ड तय करेगा प्रक्रिया

सरकारी और निजी बसें भी चलेंगी

जिला स्तर पर समितियां होंगी

उज्जैन नगर निगम की 100 इलेक्ट्रिक बसें

तकनीकी व्यवस्था भी जरूरी

सीएम के फैसले से नए आयाम

इंदौर संभाग से संचालन प्रारंभ करेंगे

परिवहन विभाग के सचिव मनीष सिंह ने बताया कि सबसे पहले इंदौर से इसकी शुरुआत की जाएगी. इसके बाद क्रमश: जबलपुर, सागर और उज्जैन संभाग को जोड़ा जाएगा. वर्ष 2026 तक लक्ष्य है कि पूरे प्रदेश में बसें नियमित, सुरक्षित और सुविधाजनक रूप से दौड़ें.

यात्रियों को ये सुविधा मिलेगी

सभी बसों में सीसीटीवी कैमरे और जीपीएस ट्रैकिंग रहेगा, ऑनलाइन टिकट बुकिंग और मोबाइल ऐप से यात्रा ट्रैकिंग रहेगा,प्रत्येक बस स्टैंड पर संभावित आगमन और प्रस्थान का समय यात्री ऐप पर देख सकेंगे. शहर और गांव दोनों में सर्व-सुविधा युक्त आधुनिक बस स्टॉप रहेगी.

सरकार करेगी किराया तय- पीपीपी मॉडल पर यह योजना लागू की जाएगी. सरकार द्वारा किराया तय किया जाएगा. अतिरिक्त वसूली बस संचालक नहीं कर पाएंगे. सुरक्षा और मेंटेनेंस का भी प्रबंध कंपनी करेगी.

बस माफिया से मिलेगी मुक्ति

अब तक निजी बस माफिया मनमाने ढंग से किराया और संचालन करते थे. नई व्यवस्था में सभी बसें सरकार की देखरेख में पारदर्शी अनुबंध के तहत निजी ऑपरेटरों से संचालित होंगी. इससे यात्रियों को समय पर और सुरक्षित वातावरण की यात्री बसें मिलेंगी.

वसूली और अव्यवस्था पर रोक लगेगी- एक राज्य स्तरीय मॉनिटरिंग सिस्टम से बसों का संचालन होगा, साथ ही सिंहस्थ2028 को लेकर खास तैयारी की जा रही है. महाकाल नगरी उज्जैन में वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ महाकुंभ को ध्यान में रखते हुए यह परिवहन योजना बेहद अहम है. सिंहस्थ के दौरान देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु उज्जैन पहुंचेंगे. ऐसे समय में राज्य परिवहन बस सेवा यात्रियों के लिए सबसे बड़ी सुविधा बनेगी.

पूरे प्रदेश को जोड़े की यह योजना- मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने बताया कि अभी एक शहर से दूसरे शहर या दूसरे जिले में जाने के लिए यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचने में खासी दिक्कत आती है. यहां उतरकर वहां से दूसरी बस में बैठना होता है. नई योजना से पूरा मध्य प्रदेश जुड़ जाएगा उज्जैन को इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और अन्य जिलों से जोड़ने वाली तेज, सुरक्षित और नियमित बसें उपलब्ध होंगी. हर यात्री को समय पर यात्रा, आधुनिक बस स्टैंड और ऑनलाइन टिकटिंग से सुविधा होगी.

पारदर्शी और आधुनिक व्यवस्था

परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा कि यह योजना प्रदेश की जनता को बस माफिया के दबाव से मुक्त कराने और विश्वस्तरीय परिवहन सेवा उपलब्ध कराने का प्रयास है.

14 अप्रैल 26 को भारतरत्न डॉ. अंबेडकर, बिरसा मुंडाव महात्मा फुले की प्रतिमाएं होंगी स्थापित

महिदपुर। बिरसा अंबेडकर फूले समाज कल्याण समिति महिदपुर का प्रतिनिधिमंडल विधायक दिनेश जैन बॉस से मिला। जहां पर उन्होंने स्पष्ट कहा कि मेरी घोषणा के अनुरूप आगामी 14 अप्रैल 2026 को मैं आश्वस्त करता हूं कि तीनों महापुरुषों की प्रतिमाएं डॉ. आंबेडकर मांगलिक भवन नारायण रोड परिसर में स्थापित होगी तथा शेष कार्य जो मांगलिक भवन पर होना है उनके लिए भी निरंतर प्रयास करता रहूंगा।

याद रहे भगत सिंह जयंती के उपलक्ष में विधायक ने घोषणा की थी जिससे मूर्त रूप देने के लिए वह प्रतिबद्ध हैं। इस महत्वपूर्ण मीटिंग का हिस्सा बनने वालों में बिरसा अंबेडकर फूले समाज कल्याण समिति के संरक्षक एवं डीएमओ परिसंघ के प्रदेश महासचिव जेके मालवीय, समिति उपाध्यक्ष विक्रम सिंह सोलंकी, डॉ. जगदीश परमार, राजेंद्र सूर्यवंशी,नरेंद्र परमार, राधेश्याम राठौर, बालू सिंह वर्मा, अनिल दावरे, पत्रकार नरेंद्र जी आदि सम्मिलित हुए।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

खाचरौद। शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर बीएमओ डॉ. विकास कौशल के नेतृत्व में उमंग स्वास्थ्य केंद्र सिविल हॉस्पिटल के काउंसलर दिनेशचन्द्र परिहार द्वारा विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य घनश्याम नागर के सहयोग से किया।

इस कार्यक्रम में अवसाद, निराशावादी, एंगर इश्यू, सुसाइड टेंडेंसी एवं मित्रम विषय पर विस्तार से चर्चा की गई। जिसके मुख्य आकर्षण मित्रम मॉडल किशोर-किशोरियों को मित्रम बनने के लिए प्रेरित किया गया। इसका उद्देश्य यह समझाना था कि किस प्रकार विद्यार्थी अपने साथियों के लिए सहायक और मार्गदर्शक बन सकते हैं।

दोस्त बनाना और जुड़ाव स्थापित करना। आत्महत्या के संकेतों और चेतावनी चिन्हों को पहचानना। निडर होकर संवेदनशील विषयों पर बात करना। सही जगह और विशेषज्ञ तक व्यक्ति को पहुंचाना। कठिन समय में उसके साथ बने रहना। सकारात्मक सोच और जीवन जीने की प्रेरणा देना। कार्यक्रम की थीम आत्महत्या पर विमर्श को बदलना थीम के आधार पर संवाद और पंपलेट वितरण ,गेटकीपर हेतु आईडी कार्ड प्रदान किया गया आत्महत्या के लक्षणों पर चर्चा एवं इसकी पहचान कर रोकथाम हेतु स्वयं को निर्देशक मान दूसरे व्यक्ति की सहायता करने हेतु तत्पर रहने की की गतिविधियां आयोजित की गईं।

हेल्पलाइन और सहायता सेवाओं के लिए कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विभिन्न हेल्पलाइन एवं परामर्श सेवाओं की जानकारी मनहित एप पर स्वयं मूल्यांकन विद्यार्थियों के लिए संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी किशोर-किशोरियों को यह संदेश दिया गया कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना, दोस्तों और परिवार से संवाद बनाए रखना तथा कठिन परिस्थितियों में सहायता लेने में हिचकिचाना नहीं चाहिए। साथ ही उन्हें उमंग स्वास्थ्य केंद्र व मनकक्ष आने के लिए प्रेरित किया गया

संसार में जीवन जीने के सूत्र सच्चे संत ही बताते हैं

उज्जैन। बनावटी श्रृंगार कोई कितना भी कर ले, ज्यादा देर ठहरता नहीं है, लौकिक श्रृंगार कितना भी बना लेना, इस श्रृंगार से संसार तो रिझ जाएगा, श्रीकृष्ण को रिझाने के लिए सहज श्रृंगार चाहिये। भगवान उपर की चमक नहीं देखते, भगवान भीतर की चमक देखते हैं। भगवान को निर्मल चित्त, निर्मल रूप ही पसंद है। यह बात श्रीमद्भागवत के पंचम दिवस की कथा में श्री धाम वृंदावन से पधारे श्री धन्वंतरी दासजी महाराज ने पुतना प्रसंग सुनाते हुए कही। महाराजश्री ने कथा में कहा भगवान को भीतर ले जाने के लिए दो ही मार्ग है एक नेत्र, दूसरे कान। इनके द्वारा ही भगवान भीतर जाते हैं। आँखो का फल केवल भगवत दर्शन है और कानों की सफलता तभी है जब ये कथा का रसपान करें। गुरुदेव की महिमा बताते हुए कहा कि इस संसार में जीवन जीने के सूत्र सच्चे संत ही बताते हैं, गुरु के बिना इस भवसागर से कोई भी पार नहीं हो सकता चाहे वो कोई भी हो, गुरु बिन भाव निधि तरहीं ना कोई। श्रीमद्भगवत कथा के आयोजक हर्ष जायसवाल ने बताया कि कथा दौरान अखाड़ों के प्रमुख संतो का भी समागम रहा, संतो ने अपने श्रीमुख से आशीर्वाचन भी दिए। जायसवाल परिवार द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा में 10 सितम्बर को पूतना वध, श्रीकृष्ण बाल लीला, शकट भंजन तृणावर्त उद्धार कालिया मर्दन एवं गोवर्धन पूजा की कथा सुनाई। स्व. बृजलाल जायसवाल, स्व. प्रभादेवी जायसवाल, स्व. सुरेशचंद जायसवाल, स्व. कुसुम देवी जायसवाल, स्व. अशोक जायसवाल की स्मृति में श्री धाम वृंदावन के प्रसिद्ध कथा वाचक अनंत सम्पन्न सद्गुरुदेव, महंत मदन मोहन दास के कृपा पात्र शिष्य धन्वंतरि दास महाराज श्रीमद्भगवत कथा का रसपान भक्तों को करा रहे हैं। 12 सितंबर तक प्रतिदिन श्रीमद्भगवत कथा दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक महाकाल परिसर, हीरामिल रोड़, कोयला फाटक चौराहा पर चल रही है। कथा के आयोजक हर्ष जायसवाल ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा में आज 11 सितम्बर को श्रीकृष्ण रासलीला, अक्रूर आगमन कंस वध, गोपी उद्धव संवाद, श्रीकृष्ण रुक्मणी विवाह एवं फाग उत्सव और 12 सितम्बर शुक्रवार 2025 श्रीकृष्ण के अन्य विवाहों की कथा भौमासुर उद्धार, सुदामा चरित्र नव योगेश्वर संवाद, फूल फाग उत्सव, कथा विश्राम, पूर्णाहुति का आयोजन होगा।

राज्य शिक्षक संघ ने 101 पौधे लगाए, देखभाल का संकल्प

महिदपुर। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत राज्य शिक्षक संघ ब्लॉक महिदपुर द्वारा तहसील कार्यालय में अनुविभागीय अधिकारी अजय हिंगे की उपस्थिति में 101 पौधे लगाने का अभियान आरंभ किया गया था। इसी को आगे बढाते हुए उत्कृष्ट विद्यालय, मॉडल स्कूल, शासकीय महाविद्यालय, कस्तूरबा बालिका छात्रावास, विकासखंड के विभिन्न स्कूल, गायत्री शक्तिपीठ, देवीजी का मंदिर आदि में पौधारोपण करते हुए अभियान का समापन चिंतामन गणेश मंदिर में अश्वनी शोध संस्थान के प्रमुख डॉ. आरसी ठाकुर चिंतामन गणेश मंदिर के अध्यक्ष सुभाष ठाकुर, विक्रम यूनिवर्सिटी के ज्योतिष विभाग के प्राध्यापक सर्वेश्वर शर्मा और उनकी टीम, राज्य शिक्षक संघ महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष सुषमा खेमसरा की उपस्थिति में पौधे लगाकर अभियान का समापन किया। राज्य शिक्षक संघ की इस पौधारोपण अभियान में शा. महाविद्यालय के प्राध्यापक जाकिरउद्दीन अहिंगर, उत्कृष्ट स्कूल के प्राचार्य किशोर परमार, सुनील दुबे, मॉडल स्कूल के प्राचार्य रामेश्वर सोनी, दिलीप अटोलिया, मोहम्मद सलीम नागोरी, संतोष गुलाटी, सुरेश उत्तरार्धी, शोभाराम राठौर, इरफान मोहम्मद, मुकेश बगाना, अमनदीप दुआ, नारायण राव, अंजू खेमसरा, शेख नासिर, कैलाश खादीवाला, रंजना मंडोर, राधेश्याम मालाकार, राधा बगाना, ज्योति तिवारी, मंजू जैन, रौनक खेमसरा, सीमा ठाकुर, विजया कालरा, राखी उथरा, जया कासलीवाल, राधा मालवीय, प्रीति मकवाना, राजेश व्यास, मंजू उत्तराधी, अरविंद सकलेचा आदि का सराहनीय सहयोग रहा। जानकारी शिक्षक सुरेश उत्तरार्धी ने दी।

चिंतन — शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

भारतीय ज्ञान परंपरा में समग्रता का चिंतन है : डॉ. कोठारी

उज्जैन। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा चरित्र निर्माण व्यक्तित्व का समग्र विकास विषय आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में लोकमान्य तिलक परिसर में विशिष्ट व्याख्यान आयोजित हुआ। भारतीय ज्ञान परंपरा- आधुनिक संदर्भ में विषय पर विशिष्ट व्याख्यान देते हुए न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा समग्रता का चिंतन है। भारतीय ज्ञान, भारतीय तत्व एवं भारतीय दर्शन पर आधारित है। भारत ने पूरे विश्व को एक परिवार माना है। कण कण में भगवान है। यह भारत का दर्शन है। इस सत्य को जानने के लिए पश्चिम के 500 वैज्ञानिक शोध कर रहे हैं। गॉड पार्टिकल की परिकल्पना इसी सत्य पर आधारित है। भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल में एक तत्व से सारी सृष्टि का निर्माण है। भारत में चिर पुरातन नित नूतन सनातन को कहा गया है।

उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की नीव शिक्षा होती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीयता के सभी संदर्भों को लिया गया है। यह पहली भारतीय शिक्षा नीति है जिसमें बताया गया है कि ज्ञान केवल किताबों से नहीं जीवन व्यवहार से आता है। उन्होंने कहा कि 365 दिन की शिक्षा को 3 घंटे में कैसे मूल्यांकित किया जा सकता है। इसी लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में सतत् मूल्यांकन को महत्व दिया गया है। डॉ. कोठारी ने कहा कि शोध भारतीय भाषा या मातृभाषा में होना चाहिए। शोध सामाजिक आवश्यकता के अनुभव होना चाहिए। जो पर्यावरण और स्वास्थ्य के अनुकूल है वह भारतीय है। शिक्षा में आध्यात्मिकता का समावेश होना चाहिए। निस्वार्थ भाव से जो काम किया जाए वह आध्यात्मिकता है। क्लासरूम से ही राष्ट्रीयता का निर्माण नहीं हो सकता। राष्ट्रीयता के लिए हमें अंतर्मुखी होना आवश्यक है। विश्व गुरु बनने के लिए, विकसित भारत बनाने के लिए हमें भारतीय ज्ञान आधारित शिक्षा लेना होगी।

विशिष्ट व्याख्यान की अध्यक्षता इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो नागेश्वर राव ने की। संचालन शासकीय कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रशांत पुराणिक ने किया। अतिथि परिचय डॉ. राजेश सकोरीकर ने प्रस्तुत किया। आभार न्यास के महानगर अध्यक्ष डॉ. नीरज सारवान ने व्यक्त किया। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो अर्पण भारद्वाज, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा प्रो एच एल अनिजवाल, कुलसचिव डॉ. दिलीप सोनी, निगम सभापति कलावती यादव, प्राचार्य डॉ. कल्पना वीरेंद्र सिंह, प्राचार्य डॉ. हरीश व्यास, डॉ. राकेश ढण्ड, डॉ. जफर महमूद, डॉ गीता नायक, डॉ. एस एन शर्मा, डॉ. राममनोहर शुक्ला, डॉ. राजीव पण्ड्या सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्ध जन उपस्थित थे।